**5. उसके लिए कोई मूल्य नियत किये बिना विक्रय गये माल के मूल्य के लिए वाद।**

......... न्यायालय

वाद सं ..............

.............. सन् २०२१

अबक ------ वादी

बनाम

कखग ------ प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है।**

1. यह कि दिनांक.............. को वादी अपने अभिकर्ता के माध्यम से प्रतिवादी को चावल........... कुन्तल बेचा और कथित अभिकर्ता के माध्यम से उसका परिदान किया, तो उसकी फुटकर दूकान पर कथित चावल के पुनः विक्रय पर वचन पर, प्रतिवादी कथित परिदान के पश्चात् दो महीने के अन्दर उसके लिए युक्तियुक्त मूल्य का संदाय करेगा।
2. यह कि दो महीने की समाप्ति के पश्चात् भी प्रतिवादी ने उसको बेचे गये चावल का कोई मूल्य नहीं दिया हैं। वादी ने दिनांक................ को प्रतिवादी द्वारा प्राप्त किया गया एक रजिस्ट्रीकृत पत्र दिनांकित.... के माध्यम से मूल्य की मांग की लेकिन प्रतिवादी ने न तो मांग का अनुपालन किया है और न ही किसी आगामी तारीख पर संदाय के लिए उत्तर दिया है।
3. यह कि वाद हेतुक दिनांक को इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर उद्भूत हुआ जब दो महीने प्रतिवादी के उपर्युक्त चावल के परिदान के पश्चात् समाप्त हो गया।
4. यह कि वाद का मूल्यांकन बाजार दर पर चावल के मूल्य ........... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का भुगतान दावाकृत अनुतोष के अनुसार किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष –**

वादी चावल के बाजार मूल्य ........... रुपये तथा वाद की तारीख से उसके संदाय तक ब्याज का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं, ऊपर नामित वादी एतद्द्वारा सत्यापित करता हूँ कि वादपत्र के पैरा ........लगायत। मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और उसके वे सभी पैरा ............... तथा उस विधिक सलाह पर आधारित है जिसको मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक......... को सत्यापित किया गया।

वादी